विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, ***वर्ग-चतुर्थ, विषय- हिंदी, दिनांक-21-06-2021***

एन.सी.ईआर.टी पर आधारित पाठ-6 बाघ और हाथी

सुप्रभात बच्चों,

आज की कक्षा में बाघ और हाथी का कहानी अध्ययन करना है-

जंगल हमें अनोखा और सुंदर लगता है। पर जंगल की शान है-

बाघ और हाथी। यह अपनी-अपनी तरह से जंगल की सुंदरता और रोमांच को बढ़ाते हैं। शायद इसलिए पुराने जमाने की कहानियों और लोक कथाओं में भी बाघ और हाथी का बार-बार वर्णन मिलता है। ज्यादातर कहानियों में उनके बल और प्रभाव की तारीफ होती है।

बाकी इतना चूस्त,फुर्तीला और बलशाली जानवर है कि शायद ही जंगल का कोई और जानवर उसका मुकाबला कर पाए। बाघ की पहचान उसकी काली धारियां है, उसके कारण यह धारियों वाला जानवर भी कहलाता है। अंग्रेजी में इसे टाइगर कहते हैं।

बाघ की एक और खासियत इसका परिवार जीवन है। यह अपनी पत्नी और बच्चे से बहुत प्यार करता है। वैसे शिकार तो ज्यादातर बाघिन करती है और वही बच्चों को शिकार करने लायक तथा आत्मनिर्भर भी बनाती है।

बाघ छोटे-छोटे जानवरों की तो परवाह ही नहीं करता। वे तो उसकी गर्जना से ही थरथरा जाते हैं।

बच्चों, आज के लिए इतना ही शेष अगली कक्षा में।

गृहकार्य-

दी, गई अध्ययन -सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें और कठिन शब्द चुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।